



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
वन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 09-12-2025

मथुरा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-09 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

| मौसम कारक | 2025-12-10 | 2025-12-11 | 2025-12-12 | 2025-12-13 | 2025-12-14 |
|--------------------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 26.0 | 26.0 | 26.0 | 26.0 | 26.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 10.0 | 10.0 | 10.0 | 10.0 | 11.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 57 | 61 | 68 | 71 | 70 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 32 | 34 | 34 | 34 | 38 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 12 | 10 | 8 | 4 | 2 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 300 | 295 | 304 | 329 | 72 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 2 | 3 |
| चेतावनी | कोई चेतावनी नहीं |

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी पाँच दिनों में आसमान साफ रहने के कारण वर्षा की कोई संभावना नहीं है। वायुमंडल की ऊपरी सतह पर हल्की धूंध छाइ रहने तथा सुबह व रात में ठंड रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान $25.0-26.0^{\circ}\text{C}$ के मध्य रहने की संभावना है, जो सामान्य से $1-2^{\circ}\text{C}$ अधिक तथा न्यूनतम तापमान $10.0-11.0^{\circ}\text{C}$ के मध्य रहने की संभावना है, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता का अधिकतम व न्यूनतम स्तर $57-71\%$ तथा $32-38\%$ के मध्य रहने की संभावना है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व तथा गति 2-12 किमी/घंटा रहने की संभावना है, तथा हवा की गति सामान्य से 4-5 किमी/घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार सुबह और रात के समय ठंड की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की फसलों एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - गेहूँ व चना आदि की बुवाई उचित नमी पर शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूं एवं चना की बुवाई तथा खेत में खड़ी फसलों और सब्जियों की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें। रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसलों की बुवाई बीजोपचार करने के उपरान्त ही करें। बदलते मौसम को देखते हुए किसानों को सूचित किया जाता है कि वे रात्रि के समय पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूं एवं चना की बुवाई तथा खेत में खड़ी फसलों और सब्जियों की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

| फसल | फसल विशिष्ट सलाह |
|----------|---|
| गेहूँ | समय से बोई गई गेहूं की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद तथा ऊसर भूमि में बुवाई के 28-30 दिन बाद (ताजमहल अवस्था) पर हल्की सिंचाई अवश्य करें। गेहूं की फसल में यदि सकरी व चौड़ी पत्ती वाले, दोनों प्रकार के खरपतवार दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फुरान 75% डब्लू पी 33 ग्राम/हेक्टेयर या मैट्रीब्यूजिन 70 %डब्लू पी 250 ग्राम / हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। मौसम के विषिटगत सिंचित दशा में विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूं की संस्तुति प्रजाति मालवीय -234, यू.पी.-2338, के.-7903, के.-1902, के.-9533, एन.डी.-2643, एच.पी.-1744, एन.डब्ल्यू-1014, यू.पी.-2425 ,डी.बी.डब्ल्यू-14, पी.बी.डब्ल्यू.-524 , एन.डब्ल्यू-510,एन.डब्ल्यू-1076 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें। |
| सरसों | सरसों की फसल की बुवाई के 15-20 के अन्दर निराई - गुड़ाई करने के साथ ही पौध से पौध की आपसी दूरी 10 - 15 सेटीमीटर कर लें। समय से बोई गई सरसों की फसल में नत्रजन की शेष बची हुई मात्रा की टॉपड्रेसिंग पहली सिंचाई (बुवाई के 30 - 35 दिन के बाद) उपयुक्त नमी पर करें। सरसों की फसल में आरा मक्खी और बालदार सुण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। |
| फील्ड पी | मटर की फसल में निराई - गुड़ाई का कार्य बुवाई के 20-25 दिन बाद तथा पहली सिंचाई बुवाई के 35-40 दिन बाद करें। |
| चना | समय से बोई गई चने की फसल यदि 15-20 सेटीमीटर की हो गई हो तो फसल की खुटाई करें। चने की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरपाइरीफोस 50% ईसी + साइपरमेथ्रिन 5% ईसी 2.0 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। चना की फसल में निराई - गुड़ाई का कार्य बुवाई से 30-35 दिन के बाद करें। चना की देर से बोई जाने वाली संस्तुति प्रजातियाँ-पूसा-372,उदय,पन्त जी.-186 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए छोटे दानों का बीज 75-80 किलोग्राम व बड़े दाने की प्रजाति के लिए 90-100 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। |

बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---------|---|
| आलू | वातावरण में नमी बढ़ने/बादल छाये रहने और तापक्रम गिरने से आलू की फसल में झुलसा रोग का प्रकोप तेजी से फैलता है, अतः इसके रोकथाम हेतु बुवाई के 25-30 दिन बाद मैंकोजेब 2.0 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आलू की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 8-10 दिन के बाद शेष सिंचाई 12 - 15 दिन के अन्तराल पर करें। आलू की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफोस 20 ईसी 2.5 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। |
| प्याज | समय से बोई गई सब्जियों की आवश्यकतानुसार निराई व सिंचाई का कार्य करें। टमाटर की फसल में पछेती झुलसा और बैकटीरियल बिल्ट रोग का प्रकोप दिखाई देने पर 10 लीटर पानी में 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड और 1 ग्राम स्ट्रेटोसाइलिन का मिश्रण मिलाकर छिड़काव करें। सब्जियों की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की १.५ मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर ३-४ छिड़काव ८-१० दिन के अंतराल पर करें। प्याज की संस्तुति प्रजातियाँ- कल्याणपुर लाल गोल, पूसा रतनार, एग्रीफॉउण्ड लाइट रेड , एक्स केलीवर, बरगण्डी, के पी, ओरिएन्ट , रोजी आदि में से किसी एक प्रजाति की नर्सरी डालें। |

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---------|--|
| पपीता | पपीते के पौध की रोपाई का कार्य करें। केले/पपीते के बागों की गुड़ाई-करके तने के चारों तरफ 25-30 सेंटीमीटर ऊंची मिट्टी चढ़ा दे स्टेंडिंग करें। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु 2% कार्बोरिल 1.5 % धूल का बुरकाव करें। आम में शूट गाल मेकर एवं टैन्ट कैटरपिलर (जाला कीट) से प्रभावित शाखाओं की छेटाई कर उन्हें नष्ट कर दें तथा नियंत्रण हेतु लैम्बडासाइहलोग्रिन 1.5-2.0 मिली/ली/0 पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम में यादि शाखाओं में डाइबैक रोग/गोंद निकलने की समस्या हो तो पौधों की जड़ों के पास 200-400 ग्रा. कॉपर सल्फेट प्रति वृक्ष की दर से प्रयोग करें तथा थायोफिनट मिथाइल 1 मिली रसायन प्रति लीटर पानी में घोलकर पर्णीय छिड़काव करें। केले में 50-60 ग्रा. यूरिया तथा 100-125 ग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति पौधे की दर से प्रयोग करें तथा 10 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करें। |

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---------|---|
| भैंस | मौसम में परिवर्तन की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पशुओं को रात के समय खुले में न बांधें तथा रात में खिड़कियों व दरवाजों पर जूट के बोरों के पर्दे लगाएं तथा दिन में धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए टीका लगवाएं। गाभिन भैंसों/गाय को ढलान वाली जगह पर न बांधें। गाभिन भैंसों/गाय को पौष्टिक चारा व दाना खिलाएं तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक मिश्री अवश्य खिलाएं। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत पशुओं में लम्पी त्वचा रोग का टीकाकरण पशुपालन विभाग द्वारा निःशुल्क कराया जा रहा है। अतः पशुपालक इसका लाभ उठायें। किलनी/जू के संक्रमण से बचाव हेतु पशुबाड़ों में चूने का छिड़काव करें ताकि किलनी/जू के अंडे व लार्वा नष्ट हो जाय। प्रजनन संबंधी समस्त रोगों के निराकरण हेतु पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि हरा चारा, भूसा, पशु आहार के अतिरिक्त खनिज लवण अवश्य खिलायें। कृषकों/पशुपालकों के द्वारा पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु विभाग के द्वारा मोबाइल वेटनरी यूनिट योजना योजना का लाभ लेने हेतु सभी कृषक/पशुपालक टोल फ्री हेल्पलाइन नं.-1962 पर सम्पर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं। |

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

| मुर्गी पालन | मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह |
|-------------|--|
| मुर्गी | किसानों को सलाह दी जाती है कि मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करें। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। मुर्गियों / चूजों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें। मुर्गियों / चूजों को पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था करें। कृमिनाशक दवा पिलायें। रानीखेत बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण करायें। |

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

| |
|---|
| भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार सुबह और रात के समय ठंड की चेतावनी है। |
|---|

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

| |
|---|
| किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की फसलों एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - गेहूँ व चना आदि की बुवाई उचित नहीं पर शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। |
|---|

Farmers are advised to download Unified  Mausam  and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details/>

